Estd.: 2010

4116

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE

(B.Ed. & D.El. Ed.)

Vill- Chitragopi, P.O.- Padrawan. P.S. Jamhor
Dist-Aurangabad - 824121 (Bihar)
Mob. 9431417084 , 7004009389
Web : www.dprpbedcollege.co.in
E-mail ID : dprpbed@gmail.com

Recognised From ERC-NCTE, Bhubaneswar Govt. of India. New Delhi
Affiliated to Magadh University (Bodh Gaya) & B.S.E.B.Patna

ASSIGNMENT BOOK

Name of the candidate: ARCHANA JAISHWAL

Roll No: 46 Section: A 2nd year

Course: B.Ed Session: 2021-23

Subject: EPC-4 Understanding The Self

Scanned with OKEN Scanner

INDEX

Sl. No.	PARTICULARS/DESCRIPTION	Page No.
Q1.	कम्प्यूटर के गुण एवं क्षेत्रों को विस्तार पूर्वक वर्णन करें।	01-06
Q2.	Computer & Its Simple Programming से आप क्या समझते हैं?	07-12
Q3.	कम्प्यूटर में प्रयुक्त होने वाली ऑपरेटिंग सिस्टम का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।	13-18
Q4	इन्टरनेट से आप क्या समझते हैं? शिक्षा के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता का वर्णन करें।	19-24
Q5.	कम्प्यूटर की उपयोगिता का वर्णन करें।	25-30

Signature of Supervisor

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नोत्तर - क्र 1

कम्प्यूटर के गुण
(Properties of Computer)

→ कंप्यूटर में कुछ विशेष गुण होते हैं, जो इसे अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से अलग करते हैं। हर एक कंप्यूटर में उनके आकार और क्षमता के अनुसार विशेष गुण होते हैं लेकिन कुछ गुण ऐसे भी होते हैं जो सभी कंप्यूटर में समान होते हैं। जैसे - गति, भण्डारण क्षमता, शुद्धता, स्वचालन और बहु - उपयोगिता।

• गति (Speed) - कम्प्यूटर के सभी गुणों में से सबसे बड़ा गुण गति होता है। वास्तव में कंप्यूटर का निर्माण ही कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह कठिन से कठिन गणनाएँ भी नैनो सेकेण्ड में पूरा कर लेता है।

- भण्डारण क्षमता (Storage Capacity)- जिस प्रकार हम घटनाओं और दृश्यों को अपने दिमाग में याद रखते हैं, उसी प्रकार कंप्यूटर के पास भी सूचनाओं और आँकड़ों को याद रखने की क्षमता होती है। मानव अपने द्वारा याद किए आँकड़े भूल सकते हैं, लेकिन कम्प्यूटर आँकड़ों को कभी नहीं भूलता। जब तक की उसे डिलीट नहीं किया जाये।
- शुद्धता (Accuracy)— कम्प्यूटर की सबसे बड़ी विशेषता होती है, शुद्धता। कम्प्यूटर तब तक शुद्ध परिणाम देता है, जब तक इसे गलत इनपुट न दिया जाये, यह हमेशा सही आउट- आउटपुट देता है इसमें कोई गलती नहीं होती है।
- स्वचालन (Automation)— कम्प्यूटर के गुणों में से

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chitragopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist.-Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El. Ed.)

यह भी एक गुण है - स्वचालन। एक निश्चित आदेश देने के बाद कम्प्यूटर स्वतः अपना काम करता रहता है जब तक उसे रुकने का आदेश न मिले।

- बहु - उपयोगिता (Versatility) — बहु - उपयोगिता कोई गुण नहीं है लेकिन कंप्यूटर के विशेष गुण होने की वजह से इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ गयी है। जैसे - बैंक, दुकान अस्पताल, रेलवे - स्टेशन आदि स्थानों पर कम्प्यूटर लगे होते हैं। कंप्यूटर के क्षेत्र उपयोगिता के कारण ही कम्प्यूटर आधुनिक समाज का विशिष्ट यन्त्र बना हुआ है। कम्प्यूटर के विभिन्न उपयोग क्षेत्र निम्न हैं —

1. शिक्षा — सर्वप्रथम कम्प्यूटरों का उपयोग गणित के और तथा कठिन प्रश्नों को हल करने में होता था। फिर कम्प्यूटरों की उपयोगिता बढ़ती गई एवं कीमतें

सारी गई कठिनाइयाँ उन कम्प्यूटर की पढ़ाई प्राथमिक स्कूलों में शुरु हो गई है। उच्च शिक्षा के देशों में में तो इसका उपयोग हो ही रहा है। विद्यार्थी की शिक्षा देने में भी कम्प्यूटर का सीधा प्रयोग हो रहा है। जहाँ कम्प्यूटर शिक्षक का पूरक होता है। शिक्षक द्वारा बनाए गए पाठों को विद्यार्थी कम्प्यूटर पर बार-बार देखकर, विश्लेषित कर विषय को भली-भाँति समझ सकते हैं।

2. सरकारी प्रशासन — सरकार की उदारीकरण की नीति के अन्तर्गत भारत में कम्प्यूटर का उपयोग तथा कम्प्यूटरीकरण की गति ने विगत कुछ वर्षों से काफी जोर पकड़ा है। सरकारी क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठान, जैसे- उद्योग, बैंक, जीवन बीमा, जल, वायु, रेल एवं अनेक

परिवहन, विद्युत उत्पादन आदि में लगी मशीन पर कम्प्यूटर का उपयोग हो सकता है।

3. परिवहन – भारत में परिवहन के प्रमुख साधन हैं – वायु परिवहन, रेल परिवहन, एवं सड़क परिवहन।

- हवाई जहाजों में यात्री सीटों का आरक्षण कम्प्यूटर द्वारा ही होता है।
- रेलों का प्रबन्ध कार्य एवं आरक्षण कार्य कम्प्यूटर की सहायता से किया जाता है।

4. संचार – कुछ वर्षों पूर्व दिल्ली में एक सूचना प्रणाली शुरू हुई है, जिसे टेलीटेक्स्ट कहते हैं। इस सुविधा के अंतर्गत हम घरेलू टेलीविजन सेट का ही प्रयोग कर, एक केन्द्रीकृत कम्प्यूटर में संचित विवरणों को प्राप्त कर सकते हैं। टेलीटेक्स्ट के द्वारा रेलों का आवागमन, विमान सेवाओं का समय,

प्रमुख कम्पनियों के डेटा का ज्ञान, विदेशी मुद्रा की विनिमय दर, बाजार में उपलब्ध ऋण-पत्र जैसे विवरण प्राप्त कर सकते हैं।

5. व्यापार तथा वाणिज्य –

(i) बैंक – बैंकों में ग्राहक का खाता रखना, खातों में जमा राशि की सूचना देना, स्टेटमेंट बनाना, चैकों की क्लियरिंग आदि काम कम्प्यूटर करते हैं।

(ii) विद्युत – सभी राज्यों के विद्युत मण्डल राज्य में फैले लाखों विद्युत उपभोक्ताओं को कम्प्यूटर के माध्यम से बनाए गए बिलों का वितरण करते हैं।

प्रश्नोत्तर - 02

कम्प्यूटर [Computer]

कम्प्यूटर एक अंग्रेजी शब्द है जो लैटिन भाषा के शब्द Computare से बना है जिसका अर्थ होता है गणना करना। अतः कम्प्यूटर गणना करने वाली एक ऐसी मशीन है जो हमारे द्वारा उपलब्ध करवाये हुए आंकड़ों को संग्रहित करके गणना करता है और परिणाम को प्रदर्शित करता है। कम्प्यूटर को इलेक्ट्रॉनिक मस्तिष्क कहा जाता है।

वर्तमान में कम्प्यूटर को विज्ञान और तकनीकी द्वारा मानव जाति को दिया जाने वाला सबसे अमूल्य उपहार कहा जाता है। इसने हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में एक अद्भुत चमत्कार कर दिया है। कम्प्यूटर मानव के रोजमर्रा जीवन का

Scanned with OKEN Scanner

अभिन्न अंग बन चुका है। कम्प्यूटर शिक्षा का प्रारम्भ हो चुका है। शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका प्रयोग वास्तविक शिक्षण कार्यों के अतिरिक्त शिक्षा के और अन्य सभी क्रिया-कलापों के उचित व्यवस्थापन और प्रबन्ध हेतु जोर-शोर से किया जा रहा है।

ए० एस० हानवार्ड के शब्दों में " कम्प्यूटर ऐसा विद्युत चालित उपकरण है जो डिस्क या चुम्बकीय टेप पर सूचना संकलित करता है।" साधारण शब्दों में हम कह सकते हैं कि कम्प्यूटर ऐसी यान्त्रिक विधि है जो अत्यधिक सूचनाओं का संकलन करती है और बहुत ही कम समय में उनकी विशिष्ट रूप से व्यवस्था करके आवश्यकतानुसार उनका प्रस्तुतीकरण करती है।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग

प्रोग्रामिंग को कम्प्यूटर के भाषा में सेट ऑफ इंस्ट्रक्शन कहते हैं जिसमें प्रोग्राम और डेवलपर के द्वारा किसी भी प्रकार के डिजाइन एवं डेवलपमेंट के लिए जो कोडिंग किया जाता है उसको करने के लिए एक प्रोग्रामर की आवश्यकता होती है और प्रोग्राम उनके द्वारा कंप्यूटर में प्रोग्रामिंग करने के लिए अलग - अलग प्रकार के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके प्रोग्रामिंग किया जाता है।

उदाहरण के लिए एक छोटे से दुकान के लिए सॉफ्टवेयर अदि तैयार करना है जिसमें उस दुकान के जितने भी सेल और परचेज होता है उसके डाटा को व्यवस्थित करना हो तो उसके

Scanned with OKEN Scanner

लिए एक प्रोग्रामर के द्वारा सॉफ्टवेयर को तैयार किया जाता है। जिसमें उस दुकान के जरूरत के हिसाब से कोडिंग प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग किया जाता है।

- Computer Programming के द्वारा जो भी सॉफ्टवेयर को डिजाइन एंड डेवलप किया जाता है जिसमें जिस तरह का भी कोडिंग का उपयोग किया जाता है वह कोडिंग जितना ही अच्छा तरह से इसमें किया जाता है उतना ही बेहतर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर काम को करता है।
- प्रोग्रामिंग करने के लिए किसी भी प्रकार के सॉफ्टवेयर या किसी प्रकार के Computer प्रोग्राम को तैयार किया जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

लैंग्वेज के प्रकार

- Machine Language
- Assembly Language
- High - level Language

1. मशीन लैंग्वेज — यह एक प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है जो कम्प्यूटर के सबसे मुख्य भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। मशीन लैंग्वेज में मशीन कोड में लिखी गई भाषाओं के रूप में समझता है और इसमें जीरो और एक बायनरी नंबर (Binary number) का उपयोग किया जाता है।

2. असेंबली लैंग्वेज — यह एक Computer के प्रोग्रामिंग का भाषा है जिसमें गणितीय संकेतों के स्थान पर निमोनिक्स कोड का इस्तेमाल किया जाता है और असेंबली लैंग्वेज में डाटा को तैयार करने के लिए असेंबलर की आवश्यकता होती है।

3. हाई लेवल लैंग्वेज — Computer को केवल मशीन लैंग्वेज ही समझता है। मशीन लैंग्वेज के अलावा जितने भी भाषा का उपयोग Computer के सिस्टम में किया जाता है उसको समझाने के लिए Computer को एक इंटरप्रेटर और ट्रांसलेटर की मदद से उस भाषा को मशीन के भाषा में बदलना पड़ता है।

प्रश्नोत्तर - प्र.3

प्र ऑपरेटिंग सिस्टम
[Operating System (OS)]

→ Operating System (OS) एक सॉफ्टवेयर होता है जो कि कंप्यूटर तथा यूजर के मध्य Interface की तरह कार्य करता है। इसे System Software कहते हैं।

• Operating System निर्देशों का समूह होता है जो कि स्टोरेज डिवाइस में स्टोर रहता है। यह Programs का समूह होता है जो कि कंप्यूटर के resources तथा Operations को Manage करता है।

• OS कंप्यूटर में लोड होने वाला यह पहला प्रोग्राम होता है। इसे Program of Programs भी कहते हैं।

• OS कंप्यूटर के सभी Operations को manage करता है।

Scanned with OKEN Scanner

• Operating System के दो प्रकार होते हैं —

1. Character user interface (CUI)
2. Graphical user interface (GUI)

1. Character user interface (CUI) —

→ CUI, user-friendly नहीं होता है और इस OS को चलाने के लिए हमेशा Command को type करना पड़ता है।
जैसे – DOS एक CUI ऑपरेटिंग सिस्टम है।

2. Graphical user interface (GUI) —

→ GUI, operating System user-friendly होता है और इस OS को चलाने के लिए Command नहीं देनी पड़ती है बल्कि जिस Program को open करना है उसमें mouse से क्लिक करना पड़ता है।
जैसे – विंडोज एक GUI ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) है।

Scanned with OKEN Scanner

- OS का कार्य अन्य प्रोग्राम्स तथा एप्लिकेशन्स को run कराना होता है तथा यह कंप्यूटर के हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर के मध्य bridge की तरह कार्य करता है।
- बिना OS के एक कंप्यूटर Useless (बेकार) होता है।
- Multitask Operating System में एक ही समय पर बहुत सारे Programs run हो जाते है और OS यह निर्देशित करता है कि कौन सा प्रोग्राम कब run होगा और कितने समय के लिए run होगा।

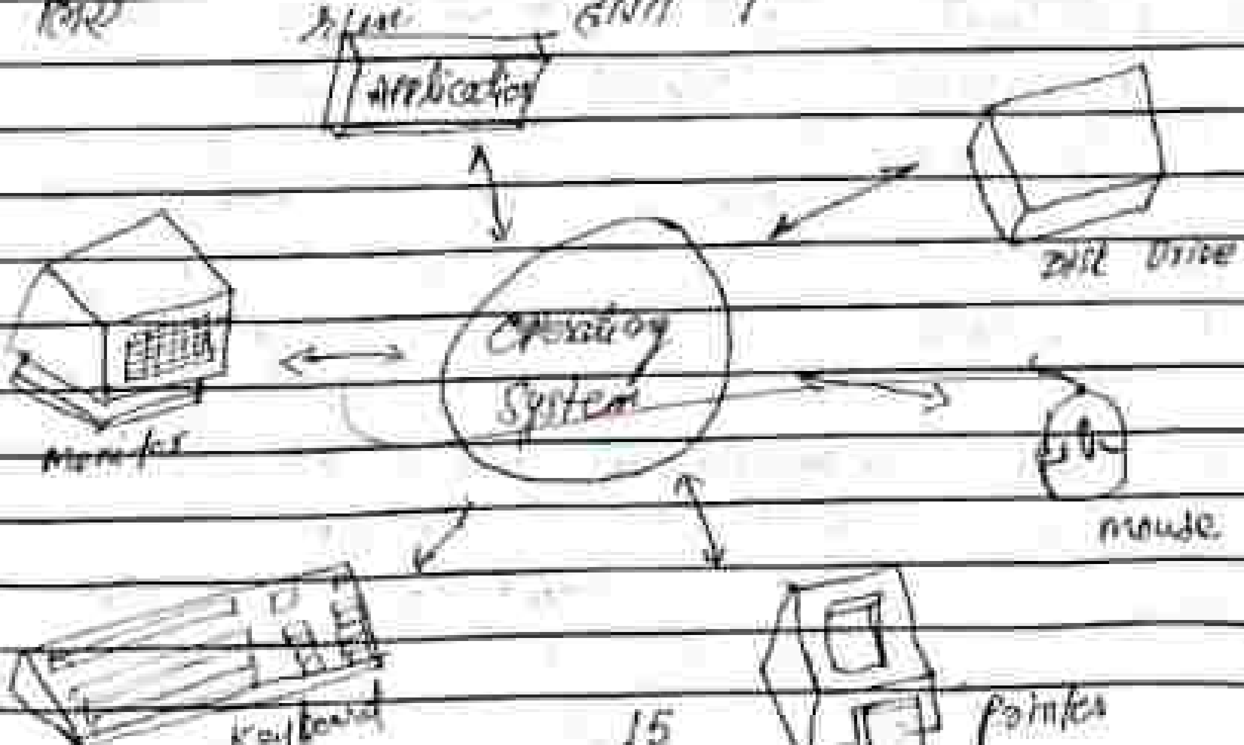

ऑपरेटिंग सिस्टम की विशेषताएं
(Characteristics of operating - System)

→ इसकी Characteristics निम्नलिखित है-

- Memory management :- OS मेमोरी को प्रबंधित करता है। यह Primary memory की पूरी जानकारी रखता है और देखता है कि memory के कौन से भाग का इस्तेमाल किस प्रोग्राम ने किया है। जब भी कोई प्रोग्राम request करता है तो उसे मेमोरी allocate करता है।

- Processor management :- यह प्रोग्राम को Processor (CPU) allocate करता है और जब किसी प्रोग्राम को CPU की जरूरत खत्म हो जाती है तो इसे de allocate भी करता है।

- Device management :- OS सभी devices की जानकारी रखता है। इसे I/O Controller भी कहते है। OS यह भी

निर्णय लेता है कि किस Program को कौन सी डिवाइस दी जाए, कब दी जाए तथा कितने समय के लिए दी जाए।

- File management :- यह resources को allocate तथा deallocate करता है तथा यह निर्णय लेता है कि किस प्रोग्राम को resources दी जाए अर्थात allocate की जाए।

- Security :- यह किसी भी प्रोग्राम या डेटा को Unauthorized एक्सेस से बचाता है। इसमें Password तथा अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

- Reliability :- यह बहुत ही reliable होता है क्योंकि इसमें किसी भी Virus तथा हानिकारक Codes को detect किया जा सकता है।

• Cost :— operating system की Cost इसके features के आधार पर निर्धारित होता है। जैसे - Windows की Cost 100 $ के आस पास होती है जबकि DOS तथा UNIX ऑपरेटिंग सिस्टम मुफ्त है।

• case of use :— इसे आसानी से use किया जा सकता है क्योंकि इसमें GUI इंटरफेस भी होता है।

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chitragopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist.- Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El. Ed.)

प्रश्नोत्तर - Q4

इण्टरनेट (Internet)

यह एक अत्याधुनिक संचार प्रौद्योगिकी है। इण्टरनेट प्रक्रिया में एक साथ करोड़ों कम्प्यूटर एक नेटवर्क में जुड़े रहते हैं। साधारणतया: इण्टरनेट कम्प्यूटरों के विश्वव्यापी की नेटवर्क के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। जिसमें आदान - प्रदान नियमों के जरिए कार्य करते हैं।

इण्टरनेट प्रक्रिया का वर्णन बिल्कुल ऐसा ही है, जैसे किसी नगर का वर्णन करना। यह कोई साफ्टवेयर नहीं है, न यह कोई प्रोग्राम है। इण्टरनेट कोई हार्डवेयर भी नहीं है, वास्तव में यह तो एक ऐसा स्थान है जहाँ हमें अनेक प्रकार की शैक्षिक जानकारियाँ तथा सूचनाऐं प्राप्त होती हैं।

Scanned with OKEN Scanner

यदि आप किसी अवधारणा के बारे में अपने छात्रों को पढ़ाने के लिए नवीनतम सूचनाएं एकत्र करना चाहते हैं, आप क्या करेंगे? पारंपरिक तरीका पुस्तकालय से किताब देखने का है। लेकिन आज इन्टरनेट आपको वांछित सूचनाएं उपलब्ध कराता है। उसी प्रकार से यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे कोई ऑनलाइन लेक्चर लें आपको इसके लिए इन्टरनेट की आवश्यकता होगी। इसलिए, इन्टरनेट पर शैक्षिक क्षेत्र के लिए कई विकल्प हैं।

इन्टरनेट किसी कम्प्यूटर को दुनिया के किसी भी दूसरे कम्प्यूटर से समर्पित राउटर तथा सर्वर के द्वारा जोड़ने का माध्यम है। जब दो कम्प्यूटर इन्टरनेट द्वारा जुड़ते हैं तो वे सभी प्रकार की सूचना भेज तथा प्राप्त

कर सकते हैं, जैसे कि टेक्स्ट, ग्राफिक्स, वॉइस, वीडियो तथा कम्प्यूटर कार्यक्रम।"
अतः इन्टरनेट कम्प्यूटरों का एक विकेन्द्रीकृत वैश्विक नेटवर्क है। दूसरे शब्दों में, इन्टरनेट आपस में जुड़े कम्प्यूटर के नेटवर्किंग (विश्वव्यापी) का एक ऐसा जाल है जो आम लोगों के लिए पहुँच में है। आपस में जुड़े हुए कम्प्यूटर एक विशेष प्रकार के पैकेट स्विचिंग के द्वारा प्रसारित करते हैं जिसे इन्टरनेट प्रोटोकॉल अथवा आई पी (IP) कहा जाता है। जबकि वर्ल्ड वाइड वेब दस्तावेजों का एक संग्रह है जिस तक आप इंटरनेट तथा वेब सर्चिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग कर पहुँच सकते हैं।
इन्टरनेट पर वेब में गहन विषय-वस्तु आलम्ब होती है। इसलिए, www की संरचना में दस्तावेजों का एक

संग्रह है तथा ये दस्तावेज वेब पेज कहलाते हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि 'वर्ल्ड वाइड वेब' WWW इन्टरनेट द्वारा दी जा रही एक सेवा है। इन्टरनेट सर्वर एक विशेष रूप से निर्मित कम्प्यूटर है जिसे चयनित उच्च गुणवत्ता वाले हिस्सों से तैयार किया गया है और जिसमें अत्यधिक सहनशक्ति हो तथा निरन्तर उच्च कार्य भार सह सके तथा इन्टरनेट से जुड़ा हुआ है (http. www. iitk. ac. in)। कम्प्यूटर पर अवस्थित वेबसाइट इन्टरनेट सर्वर कहलाते हैं।

इन्टरनेट के शिक्षा में उपयोग (Use of Internet in Education)

इन्टरनेट के शिक्षा में निम्नलिखित उपयोग है

1. इन्टरनेट विभिन्न प्रयोगों तथा समसामयिक घटनाओं के विषय में अद्यतन सूचनाओं

को प्रदत्त करने में सहायता करता है।

3. यह छात्रों, शिक्षकों तथा मित्र समूह में संवाद को तेज तथा सरल करने में सहायता करता है।

4. इन्टरनेट विभिन्न पाठ्यक्रम सामग्रियों तथा विषयवस्तुओं को साझा करने तथा उन तक पहुँच में सहायता करता है।

5. इन्टरनेट ऑनलाइन शिक्षण तथा अधिगम में सहायता करता है।

5. इन्टरनेट शिक्षकों को अपने पाठ के अभिपूरित करने में सहायता करता है।

6. इन्टरनेट संवादमूलक तथा सहयोगपूर्ण शिक्षण सत्र आयोजित करने में सहायता करता है।

7. इन्टरनेट विभिन्न प्रारूपों में आयोजित रूपों में सूचना उपलब्ध कराता है जैसे कि टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो, आदि।

8. इन्टरनेट शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की लागत को कम

करने में सहायता करता है।

9. इन्टरनेट छात्रों के कौशल को बढ़ाने में सहायता करता है।

10. इससे विश्व में किसी भी देश में बैठे - बैठे घर में ही शैक्षिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नोत्तर - 45

एक हजार वर्षों में विज्ञान ने मानव जीवन को पूर्णतः परिवर्तित कर दिया है। परन्तु इन हजार वर्षों में से जितना परिवर्तन पहले 900 वर्ष में नहीं हो पाया था जितना परिवर्तन केवल अन्तिम 100 वर्षों में हो गया। इसी प्रकार पूर्ण बीसवीं शताब्दी में जो विकास और परिवर्तन उपस्थित हुए हैं उनमें से अन्तिम दशक में हुए परिवर्तन ही अधिक महत्वपूर्ण है। अभिप्राय यह है कि विज्ञान के विकास की गति तीव्र से तीव्रतर होती जा रही है। पिछले 100 वर्षों में वैज्ञानिक अनुसंधानों और आविष्कारों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण आविष्कार कम्प्यूटर का ही है।

पिछले कुछ वर्षों में तो

इस यन्त्र का उपयोग जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इतना अधिक हो गया है कि किसी भी प्रयोगशाला, उद्योग, अनुसंधान केन्द्र यहाँ तक कि आधुनिक कार्यालय और विभाग के कम्प्यूटर विहीन होने की कल्पना ही नहीं की जा सकती।

- आधुनिक कम्प्यूटर की योजना चार्ल्स बैबेज (1792 - 1871) ने की थी। परन्तु इसका उल्लेखनीय उपयोग सबसे पहले अमेरिका के विद्वान हरमान हॉलेरिथ ने किया था। इसके बाद कम्प्यूटर को पहली बार द्वितीय विश्वयुद्ध के समय बिजली से चलाने की कला का विकास हुआ।

- विकास करते - करते आधुनिक रूप में कम्प्यूटर एक बहु - आयामी और बहु - उपयोगी यंत्र बन चुका है।

कम्प्यूटर एक ऐसा यन्त्र है जिसमें गणित सम्बन्धी सूत्रों तथा विभिन्न तथ्यों को सूत्र रूप में भर दिया जाता है और जो आशातीत गति से विभिन्न समस्याओं और गणनाओं को सुलझा सकने में समर्थ है। कभी - कभी मानव द्वारा बनाये गए इस यंत्र की कार्यक्षमता एवं तीव्रगति को देखकर आश्चर्य होता है।

सार्वजनिक क्षेत्रों में कम्प्यूटर के उपयोग — वैसे तो कम्प्यूटर अब धीरे - धीरे हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रवेश करता जा रहा है। हम अपनी विभिन्न गतिविधियों के लिए कम्प्यूटर पर अधिक - से - अधिक आश्रित होते जा रहे हैं, फिर भी सुविधा के लिए इसके विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में उपयोग का विस्तार से

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chitragopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist.- Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El. Ed.)

अध्ययन कर लेना अच्छा रहेगा।

1. गणना एवं सूचना - संग्रह (बैंकिंग):- अब तक बैंको में खातों का हिसाब रखने का काम लिपिकों द्वारा खाता पृष्ठों पर किया जाता था परन्तु अब खाता पृष्ठों और किताबों के बनाने और सुरक्षित रखने की आवश्यकता नहीं है। अब इन्हें कम्प्यूटरों में भर कर सुरक्षित भी रखा जा सकता है और उनमें गणनाएं भी तीव्रता से की जा सकती है। कम्प्यूटर की इस क्षमता का उपयोग कर बड़ी - बड़ी परीक्षा संस्थाओं (जैसे यू॰ पी॰ बोर्ड एवं विश्वविद्यालय आदि) परीक्षा - फल थोड़े ही समय में तैयार कर लेते हैं। गणनाओं के संचय और उपयोग की क्षमता से ही अब चुनाव परिणामों को कम्प्यूटरीकृत मशीनों द्वारा अल्पकाल में ही प्राप्त

Scanned with OKEN Scanner

किया जा सकता है।

2. संचार तकनीक के क्षेत्र में आज कम्प्यूटर द्वारा देश-विदेश की सूचनाओं को तीव्रगति से प्रेषित एवं संकलित किया जा सकता है। अन्तरिक्ष यानों एवं उपग्रहों में स्थापित विभिन्न अनुसंधान संयन्त्रों द्वारा प्रेषित बड़ी-बड़ी सूचनाएं एवं गणनाएं अब क्षणों में एक स्थान से दूसरे स्थान को प्रेषित की जा रही हैं।

3. **मुद्रण एवं प्रकाशन** — कम्प्यूटर द्वारा संचालित फोटो कम्पोजिंग मशीन ने पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तक प्रकाशन के कार्य को तीव्रगति एवं सुविधा प्रदान की है। पहले छापेखानों में एक-एक अक्षर को टाइप एकत्र कर जो कम्पोजिंग किया जाता था अब उसकी आवश्यकता नहीं रही। अब तो चुम्बकीय डिस्क में सामग्री भर कर उसका क्षणों में कम्पोजिंग

और मुद्रण होता है । मुद्रण और अक्षर ही नहीं , बल्कि कम्प्यूटर द्वारा चित्रों आदि की छपाई भी सरल हो गयी है ।

A. कला , संगीत एवं डिजाइनिंग के क्षेत्र में कम्प्यूटर — अब गणना और स्मृति के लिए ही नहीं , कला , संगीत और डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी मनुष्य को सहयोग दे रहा है । कलाकार कम्प्यूटर की सहायता से अपने चित्र डिजाइन और स्वरों तक का उचित समायोजन कर सकते हैं ।

ESTD.: 2010
DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Recognised by ERC-NCTE, Bhubaneshwar Govt. of India (New Delhi)
Affiliated to Magadh University (Bodhgaya) & B.S.E.B (Patna)
Vill : Chitragopi, P.O. : Paifrawan, P.S. : Jamhor, (A.N. Road), Distt.- Aurangabad, 824121
Fax No.: 06186-292275, E-mail Id : dprpbed@gmail.com, website : dprpbedcollege.co.in
Mob.: 94314 17084, 99558 01853

Ref.: ____________

Date : ____________

It is very essential to use ICT in teaching learning process. As we know that ICT place an important role in various learning process student use ICT for better understanding of theory course practice teaching internship and various out of classroom activities like morning assembly organizing event Sports etc. for such kinds of activities student use PPT's, Mobile phone WhatsApp ,YouTube videos, quiz apps and e-Learning apps etc

Principal
D.P.R.P. B.Ed. College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT USING ICT SUPPORT DURING PRACTICE TEACHING

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chirajganj, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

ICT SUPPORT

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

THEORY COURSE BY PROJECTOR

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

USING OF ICT BY STUDENT

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragupt, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

LEARNING ENHANCEMENT

Principal
D.P.R.P. BEd College
Deengaon, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

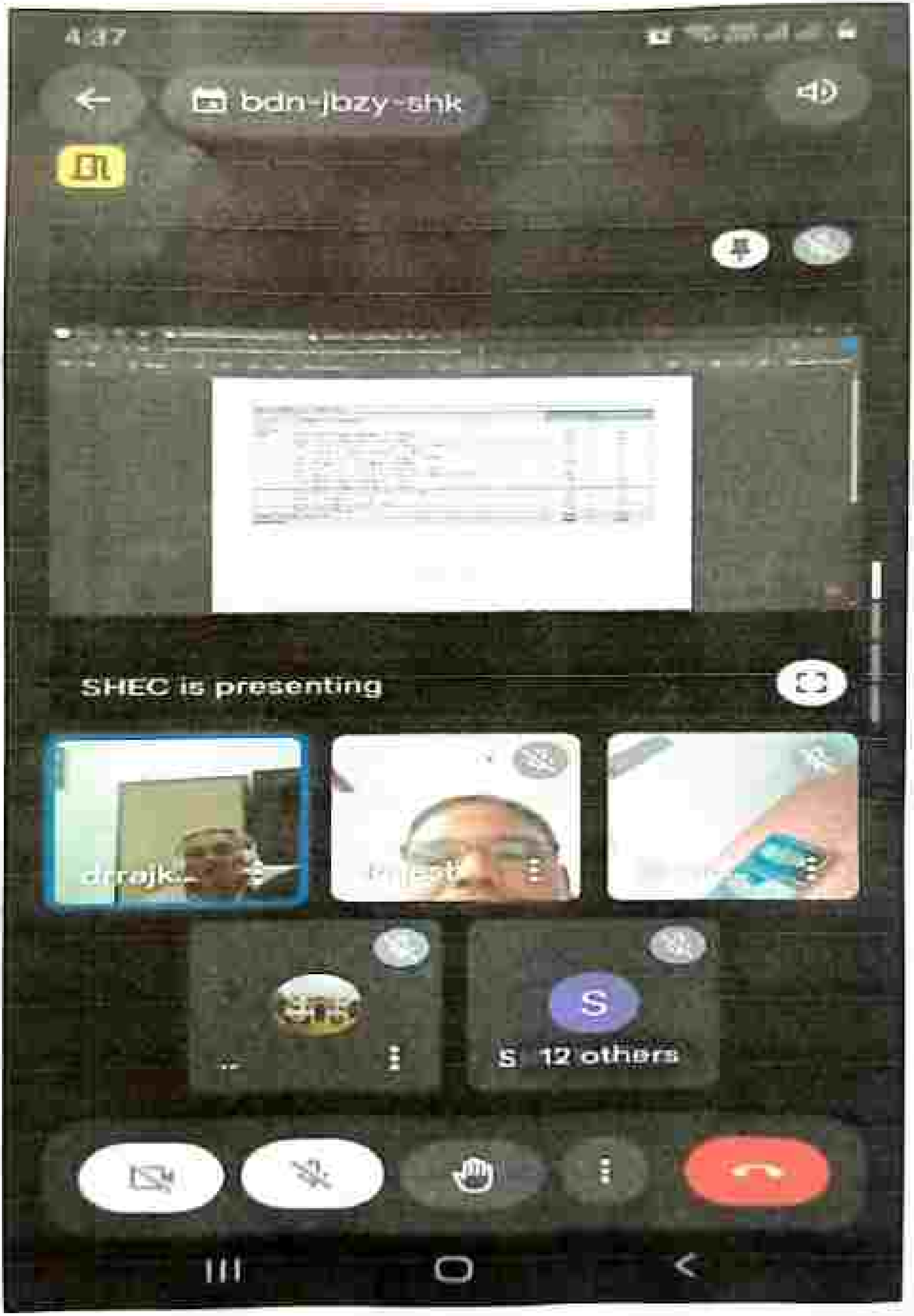

Scanned with OKEN Scanner